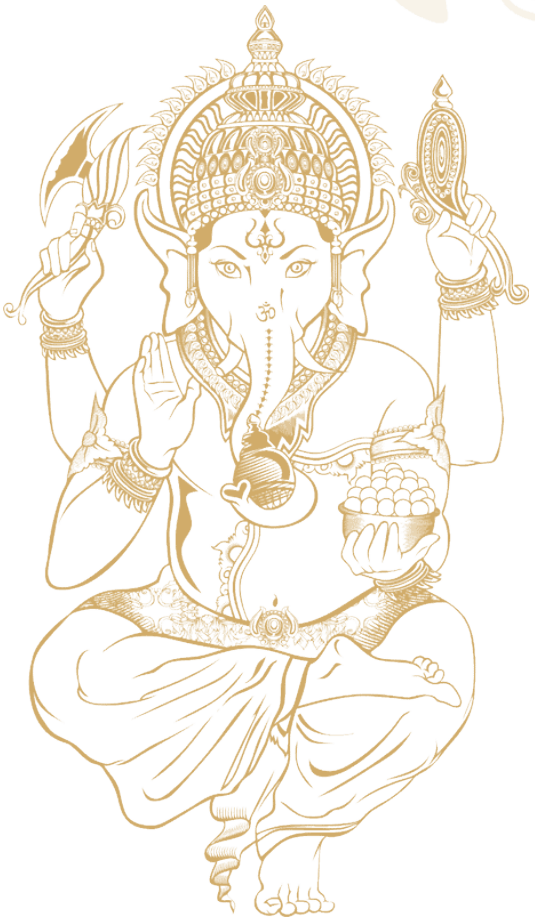

Mr.

21 Mar 1968

07:55 PM

Patan

Model: web-freekundliweb

Order No: 119213702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/03/1968**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:55:00 घंटे**
इष्ट	34:55:45 घटी
स्थान	**Patan**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:14:00 उत्तर
रेखांश	84:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:01:48 घंटे
वेलान्तर	-00:07:14 घंटे
साम्पातिक काल	07:58:28 घंटे
सूर्योदय	05:56:42 घंटे
सूर्यास्त	18:04:31 घंटे
दिनमान	12:07:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:37:29 मीन
लग्न के अंश	03:25:31 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:25:31	323:16:11	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मीन	07:37:29	00:59:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	09:23:51	13:53:46	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	01:51:30	00:44:35	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			कुंभ	11:33:23	01:18:29	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु	व		सिंह	03:54:33	00:05:30	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	14:01:44	01:13:57	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	20:07:56	00:07:27	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		मीन	25:25:46	00:00:09	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	25:25:46	00:00:09	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कन्या	03:35:59	00:02:36	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
नेप	व		वृश्चि	02:58:21	00:00:44	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		सिंह	27:52:35	00:01:35	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	04:07:45	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:42

लग्न-चलित

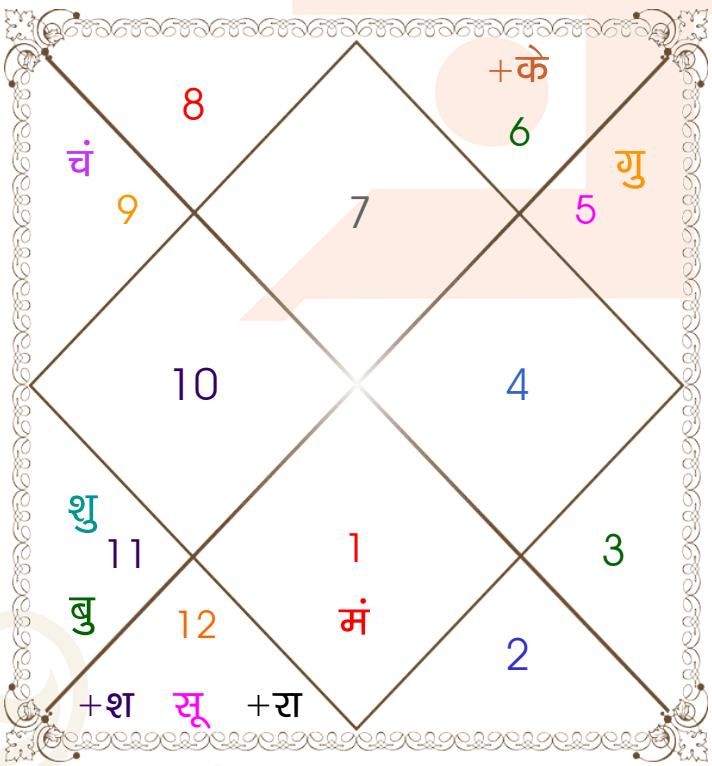

चन्द्र कुंडली

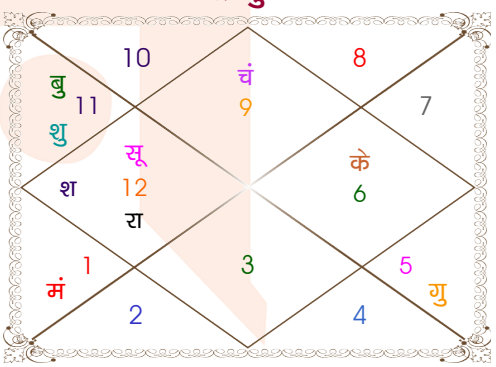

नवमांश कुंडली

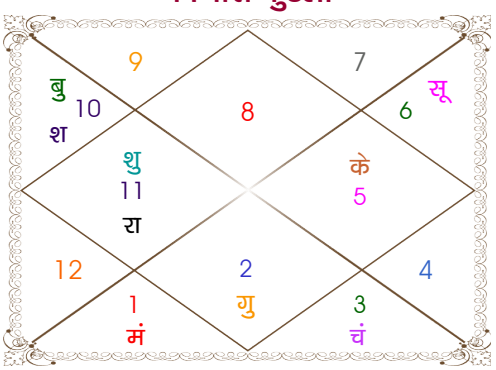

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 0 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/1968		15/04/1970		15/04/1990		15/04/1996		15/04/2006	
15/04/1970		15/04/1990		15/04/1996		15/04/2006		15/04/2013	
	00/00/0000	शुक्र	15/08/1973	सूर्य	03/08/1990	चंद्र	13/02/1997	मंगल	11/09/2006
	00/00/0000	सूर्य	15/08/1974	चंद्र	01/02/1991	मंगल	14/09/1997	राहु	30/09/2007
	00/00/0000	चंद्र	15/04/1976	मंगल	09/06/1991	राहु	16/03/1999	गुरु	05/09/2008
	00/00/0000	मंगल	15/06/1977	राहु	03/05/1992	गुरु	15/07/2000	शनि	14/10/2009
	00/00/0000	राहु	14/06/1980	गुरु	19/02/1993	शनि	13/02/2002	बुध	12/10/2010
	00/00/0000	गुरु	13/02/1983	शनि	01/02/1994	बुध	16/07/2003	केतु	10/03/2011
	21/03/1968	शनि	15/04/1986	बुध	08/12/1994	केतु	14/02/2004	शुक्र	09/05/2012
शनि	18/04/1969	बुध	13/02/1989	केतु	15/04/1995	शुक्र	14/10/2005	सूर्य	14/09/2012
बुध	15/04/1970	केतु	15/04/1990	शुक्र	15/04/1996	सूर्य	15/04/2006	चंद्र	15/04/2013

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/04/2013		15/04/2031		15/04/2047		15/04/2066		15/04/2083	
15/04/2031		15/04/2047		15/04/2066		15/04/2083		00/00/0000	
राहु	27/12/2015	गुरु	03/06/2033	शनि	18/04/2050	बुध	11/09/2068	केतु	11/09/2083
गुरु	22/05/2018	शनि	15/12/2035	बुध	26/12/2052	केतु	08/09/2069	शुक्र	11/11/2084
शनि	28/03/2021	बुध	22/03/2038	केतु	04/02/2054	शुक्र	09/07/2072	सूर्य	18/03/2085
बुध	15/10/2023	केतु	26/02/2039	शुक्र	06/04/2057	सूर्य	15/05/2073	चंद्र	17/10/2085
केतु	01/11/2024	शुक्र	27/10/2041	सूर्य	19/03/2058	चंद्र	15/10/2074	मंगल	16/03/2086
शुक्र	02/11/2027	सूर्य	15/08/2042	चंद्र	18/10/2059	मंगल	12/10/2075	राहु	03/04/2087
सूर्य	26/09/2028	चंद्र	15/12/2043	मंगल	26/11/2060	राहु	30/04/2078	गुरु	09/03/2088
चंद्र	28/03/2030	मंगल	20/11/2044	राहु	03/10/2063	गुरु	05/08/2080	शनि	21/03/2088
मंगल	15/04/2031	राहु	15/04/2047	गुरु	15/04/2066	शनि	15/04/2083		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 0 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।